BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ कृष्ण पक्ष षष्ठी रविवार विक्रम संवत् 2079। 19 जून 2022

JKDESIGN 8369994118

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

देशभर के दिग्गज एचआर इस सम्मेलन में शामिल हुए

उद्योगों के लिए कौशल विकास को अधिक महत्व देना जरूरी

पटना| आईआईटी पटना में शनिवार को एकेडमी शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें देशभर की दिग्गज कंपनियों के एचआर हेड, एमडी और साथ में आईएएस अफसर शामिल हुए। इस समिट का विषय नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा प्रणाली को फिर से परिभाषित करना था। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वर्तमान सामाजिक आवश्यकता के आधार पर उद्योग और शिक्षा से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करना रहा। शिखर सम्मेलन मौजूदा संबंधों को और मजबूत करने और विभिन्न उद्योगों के बीच नए संबंध बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसमें दो पैनल डिस्कशन हुए। पहले पैनल डिस्कशन में चैलेंजिंग एन अपॉर्चुनिटी इन इंडस्ट्री- एकेडमी कोलैबोरेशन रहा जिसकी अध्यक्षता आईएएस लोकेश कुमार सिंह ने की। दूसरा पैनल डिस्कशन टैलेंट एक्विजिशन स्ट्रेटजी रहा, जिसमें सैमसंग, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस टाटा पावर, यूनाइटेड कलर्स ऑफ बेनेटन, मेक माट ट्रिप, आईआईटी के प्रोफेसर रहे। चैलेंजिंग एन अपॉरचुनिटी इन इंडस्ट्री- एकेडमी कोलैबोरेशन पैनल डिस्कशन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सहायक आईएएस, निदेशक वैभव चौधरी ने नई शिक्षा नीति के बारे में बताते हुए कहा कि उद्योगों के लिए आवश्यक कौशल विकास को अधिक महत्व देना जरूरी है।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 19.06.2022 | पृष्ठ सं० 09

खाड़ी देश बहरीन की प्रदर्शनी में बिहार के जर्दालु व लंगड़ा आम का जलवा

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। बिहार का आम खाड़ी देश के उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा आकर्षित कर रहा है। बहरीन में 'आम महोत्सव 2022' के अंतर्गत दुनियां के हर किस्म के आम की प्रदर्शनी लगी है। लेकिन बिहार के जीआई टैग प्राप्त जर्दालु आम खाडी देशों के लोगों को सबसे ज्यादा पसंद है। इसी के साथ लंगड़ा आम भी प्रदर्शनी में शामिल है। खास बात यह है कि बिहार के इस आम को जैविक प्रमाण पत्र भी है। लिहाजा विदेशी ग्राहकों की यह पहली पसंद बन गया है। लिहाजा पश्चिमी देशों के साथ खाड़ी देशों के बाजार में भी बिहार का जर्दालु और लंगड़ा अब अपनी पैठ बना लेगा। प्रदर्शनी के

इस साल निर्यात

2.5 टन आम गया इंगलैंड

01 टन आम गया बहरीन

01 टन आम गया बेल्जियम

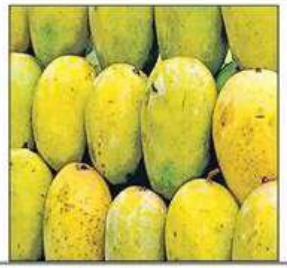

तहत बहरीन के अल जजीरा समूह सुपर मार्केट के आठ अलग-अलग स्थानों पर आम की इन किस्मों को प्रदर्शित किया जा रहा है। इनमें से 27 किस्में पश्चिम बंगाल की हैं, जबकि दो-दो किस्में बिहार, झारखंड, ओडिशा और एक किस्म उत्तर प्रदेश की हैं। एपीडा ने आम की सभी किस्मों को सीधे किसानों और किसान उत्पादक संगठनों से खरीदा है। बिहार का जर्दालु आम भागलपुर के कहलगांव के किसान कृष्णनंद से खरीदा गया है। उनके सिमरो स्थित बागीचे को जैविक प्रमाण पत्र भी प्राप्त है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने भारतीय आमों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों का पता लगाने के लिए बहरीन के आम महोत्सव में भाग लेने का फैसला किया। भारतीय आमों के लिए एक वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने की यह पहली पहल है। पहली बार पूर्वी राज्यों के आमों की 34 किस्मों को बहरीन में प्रदर्शित किया गया है। इसके लिए बिहार के जर्दालु और लंगड़ा आम का चयन किया गया। जर्दालु आम को गत वर्ष जीआई टैग मिल चुका है। लिहाजा अब यह विश्व के किसी कोने में बिकेगा तो बिहार के नाम से ही जाना जाएगा। इसी के साथ लंगड़ा आम की मांग भी विदेशों में बढ़ने लगी है।

बहरीन की प्रदर्शनी में शामिल करने के लिए एपीडा ने निर्यातक के माध्यम से सीधे किसान से एक टन आम की खरीद की है। इसी के साथ जीआई टैग मिलने के कारण बिहार के आम का विश्व में बाजार खुल गया। दो साल बाद इस वर्ष अब तक लगभग पांच टन आम का निर्यात हो चुका है। हालांकि आमेरिका का बाजार भी खुल गया वहां बिहार के आम पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया गया है। बावजूद इस साल अब तक बिहार का आम अमेरिका में निर्यात नहीं हो सका है। अब तक हुए निर्यात के अनुसार सबसे अधिक ढाई टन आम इंगलैंड गया है। इसी के साथ बेल्जियम और बहरीन में भी एक-एक टन आम गया है। लेकिन निर्यात का सिलसिला अभी शुरू ही हुआ है।

> बिहार के जर्दालु आम को जीआई टैग मिल चुका है। साथ ही, जैविक प्रमाण पत्र देने की व्यवस्था भी यहां कर दी गई है। ऐसे में राज्य के आम सहित दूसरे विशेष उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।
>
> – डॉ. एन सरवण कुमार, सचिव कृषि

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 19.06.2022 | पृष्ठ सं० 10

भास्कर Breaking राज्य सरकार ने भेजा प्रस्ताव, इस पर 1800 करोड़ खर्च होंगे

पटना एम्स से कच्ची दरगाह एलिवेटेड रोड का प्रस्ताव तैयार, केंद्र को भेजा

इन्द्रभूषण | पटना

पटना एम्स से अनीसाबाद होते हुए कच्ची दरगाह तक एलिवेटेड रोड बनेगा। इसके बाद अब बिहार के किसी हिस्से से पटना आने के लिए कच्ची दरगाह से एम्स तक न्यू बाइपास रोड के जाम से मुक्ति मिल जाएगी। यानी अब पटना में ऊपर ही ऊपर एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक आराम से जा पाएंगे। राज्य सरकार ने इस नेशनल हाइवे पर एलिवेटेड रोड बनवाने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेज दिया है। पटना एम्स से पटना न्यू बाइपास टॉल प्लाजा तक करीब 18 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड पर 1800 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पटना एम्स से अनीसाबाद मोड़ तक 7 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड बनाने का प्रस्ताव नेशनल हाइवे के एनुअल प्लान में पहले ही शामिल किया जा चुका है। वहीं अनीसाबाद से कच्ची दरगाह तक 11 किलोमीटर एलिवेटेड रोड बनाने के लिये केन्द्र सरकार को अब प्रस्ताव भेज दिया गया है। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने पिछले 31 मई को दिल्ली में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर अनीसाबाद से कच्ची दरगाह के बीच न्यू बायपास रोड पर हैवी ट्रैफिक को देखते हुए एलिवेटेड रोड बनाने का प्रस्ताव दिया था। मात्र 7 दिन बाद 7 जून को बिहार दौरे पर नितिन गडकरी ने हाजीपुर की सभा में मंच से ही इस प्रस्ताव पर हामी जताते हुए डबल डेकर एलिवेटेड रोड बनाने तक की बात करते हुए राज्य सरकार से इस संबंध में प्रस्ताव मांग दिया।

18 किमी लंबे इस रोड के बनने के बाद पटना में जाम से मिल जाएगी निजात

थ्री लेयर इस प्रोजेक्ट में नीचे लोग चल सकेंगे

केन्द्रीय मंत्री की घोषणा के 10 दिन के अंदर ही नितिन नवीन ने दक्षिण पटना की बड़ी आबादी को हैवी ट्रैफिक से निजात दिलाने के लिए एलिवेटेड रोड बनाने का प्रस्ताव केन्द्र को भेज दिया है। केन्द्र की औपचारिक मंजूरी मिलते ही करीब 18 किलोमीटर लंबी थ्री लेयर इस परियोजना में नीचे की सड़क पर स्थानीय आबादी चलेगी। 4 लेन फर्स्ट लेयर पर आने का मार्ग रहेगा तो 4 लेन सेकंड लेयर पर जाने की व्यवस्था होगी।

इस तरह 57 किमी लंबाई वाला बन जाएगा पटना इनर रिंग रोड

पटना एम्स से अनीसाबाद होते हुए कच्ची दरगाह तक एलिवेटेड रोड बन जाने से 57 किलोमीटर लंबाई वाला पटना का 4 लेन इनर रिंग रोड भी तैयार हो जाएगा। अभी एम्स से दीघा तक 12.27 किलोमीटर लंबे पाटली पथ पर गाड़ियां चल रहीं हैं। वहीं दीघा से कच्ची दरगाह तक 20.65 किलोमीटर लंबा लोकनायक गंगा पथ निर्माणाधीन है।

न्यू बायपास पर 24 घंटे में डेढ़ लाख पीसीयू का दबाव

पटना न्यू बायपास रोड पर 24 घंटे में सवा से डेढ़ लाख पीसीयू (पैसेंजर कार यूनिट) का दबाव है। यहां नहीं न्यू बायपास रोड के दक्षिण की तरफ शहर का तेजी से विस्तार हो रहा है जिससे सड़कों पर दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में इस रोड के भविष्य के हैवी ट्रैफिक का आकलन करते हुए एलिवेटेड रोड की परियोजना बनायी गई है।

न्यू बायपास टोल प्लाजा का पूरब निजी एजेंसी को

बीओटी मोड पर बने पटना-बख्तियारपुर 4 लेन हाइवे, बायपास टोल प्लाजा के पूरब निजी एजेंसी के जिम्मे है इसलिये एम्स से टॉल प्लाजा तक ही अभी एलिवेटेड रोड बन सकता है। नेशनल हाइवे के अधिकारियों के मुताबिक बायपास टॉल के आगे निजी एजेंसी को टोल का नुकसान हो जाएगा।

पटना शहर के विकास की गति और तेज होगी

'केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी की ओर से हरी झंडी मिलते ही अनीसाबाद से कच्ची दरगाह तक नया एलिवेटेड रोड बनाने का प्रस्ताव भेज दिया गया है। इससे पटना शहर के विकास की गति और तेज होगी।'

-नितिन नवीन, पथ निर्माण मंत्री

ऐसे समझें पीसीयू को

पीसीयू मतलब एक कार से तुलना कर दूसरे वाहनों का हिसाब लगाया जाता है।

गाड़ी	पीसीयू	गाड़ी	पीसीयू	गाड़ी	पीसीयू
कार	1	बाइक	0.5	बड़ा ठेला	8.0
बस,ट्रक	3.5	साईकिल	0.2	छोटा ठेला	6.0

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 19.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

भास्कर Exclusive | मास्टर लिस्ट बना कर मेरिट के आधार पर दिव्यांगों का होगा चयन, एक साइकिल की कीमत 42 हजार रुपए

10 हजार दिव्यांगों को दी जाएगी बैट्री चालित ट्राई साइकिल

आलोक द्विवेदी | पटना

बिहार के 38 जिले में रहने वाले 10 हजार दिव्यांगों को बैट्री चालित ट्राई साइकिल दी जाएगी। इसके लिए समाज कल्याण विभाग की ओर से 42 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। आवेदन के लिए सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। जिसके माध्यम से आवेदकों के दिव्यांगता के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार करके साइकिल का वितरण होगा। जुलाई से आवेदन प्रारंभ होने की संभावना है। अगस्त के अंतिम सप्ताह में बैट्री चालित ट्राई साइकिल का वितरण शुरू किया जाएगा। आवेदन के लिए कम से कम 40 फीसदी दिव्यांग होना अनिवार्य है। जिसके बाद मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी।

साइकिल वितरण के लिए तीन कैटेगरी तैयार

समाज कल्याण विभाग की ओर से मुफ्त में दिए जाने वाले ट्राई साइकिल के लिए मास्टर लिस्ट तैयार की जाएगी। जिसमें आवेदकों के उम्र, आय, दिव्यांग के प्रतिशत, परिवार के सदस्य, स्थायी पता, रोजगार संबंधित प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी होगी। बैट्री चालित साइकिल वितरण के लिए तीन कैटेगरी तैयार की गई है। जिसमें दिव्यांग के प्रतिशत, जाति और आयु के लिए 30 अंक निर्धारित किया गया है, जिसके आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार किया जाएगा। 70 फीसदी या उससे अधिक दिव्यांग को 10 अंक, 70 से 55 के बीच दिव्यांग को 8 अंक और 40 फीसदी या उससे अधिक दिव्यांगों को 6 अंक दिया जाएगा। इसके साथ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जाति के लिए 10 अंक, पिछड़ा और अत्यंत पिछड़ा के लिए 8 और सामान्य के लिए 6 अंक निर्धारित किया गया है। उम्र को लेकर भी मेरिट तैयार की जाएगी। जिसमें 18 से 35 वर्ष के उम्र के बीच 10 अंक, 35 से 55 के बीच 8 और 55 वर्ष या उससे अधिक के लिए 6 अंक निर्धारित किया गया है। ऐसे में 30 अंक में सबसे अधिक नंबर पाने वाले साइकिल दिया जाएगा। इसके साथ ही वे ही दिव्यांग आवेदन कर सकते हैं। जिनका स्कूल, कॉलेज, कार्यालय घर से तीन किलोमीटर दूर हो तथा आय दो लाख रुपए से अधिक नहीं हो।

40% या उससे अधिक दिव्यांग कर सकते हैं आवेदन, तीन कैटेगरी में 30 अंक के आधार पर चयन

18 लाख दिव्यांग बिहार में, 11 लाख ले रहे पेंशन, पांच लाख आवेदन प्रथम चरण में आने की है संभावना

बिहार में 18 लाख दिव्यांग, 5 लाख लोग करेंगे आवेदन

बिहार में 18 लाख दिव्यांग हैं। जिसमें लगभग पांच लाख दिव्यांग 40 फीसदी है। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग की योजना के तहत 11 लाख से अधिक दिव्यांग पेंशन ले रहे हैं और दो लाख दिव्यांगों को यूडीआईडी कार्ड जारी किया गया है। बैट्री चालित साइकिल के साथ ही दिव्यांगों को 101 अनुमंडल में स्थापित खुनियाद केंद्रों के माध्यम से फिजियोथेरेपी सहित अन्य इलाज किया जा रहा है।

एक व्यक्ति के लिए 10 वर्ष के लिए योजना मान्य

बैट्री चालित ट्राई साइकिल के लिए चयनित आवेदकों को लाभ की अवधि 10 वर्ष निर्धारित की गई है। एक बार योजना का लाभ मिलने के बाद 10 वर्ष तक वह लाभार्थी आवेदन नहीं कर सकता है। इस दौरान वह बैट्री चालित साइकिल को बेच भी नहीं सकता। लेकिन, इसके रिपेयरिंग की जिम्मेदारी आवेदकों की होगी। वित्तीय वर्ष 2022-23 में मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तीकरण योजना के तहत संचालित संबल योजना अंतर्गत ट्राई साइकिल का वितरण किया जा रहा है। एक साइकिल की कीमत 42 हजार रुपए निर्धारित की गई है। जिसके तहत 10 हजार बैट्री चालित साइकिल की खरीद पर 42 करोड़ रुपए खर्च होगा।

बैट्री चालित ट्राई साइकिल महंगी आती है। गरीब दिव्यांगों के लिए इसे खरीदना काफी मुश्किल है। ऐसे में सरकार की तरफ से दिव्यांगों को बैट्री चालित ट्राई साइकिल वितरण का निर्णय लिया गया। आवेदन के बाद मेरिट लिस्ट तैयार करके जल्द ही वितरण शुरू किया जाएगा। इसके लिए विभागीय स्तर पर कार्य किया जा रहा है।
-मदन सहनी, मंत्री, समाज कल्याण विभाग

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 19.06.2022 | पृष्ठ सं० 04

आइआइटी पटना में उद्योग अकादमी शिखर सम्मेलन

नयी शिक्षा नीति में उद्योगों के लिए जरूरी कौशल विकास को दिया गया है महत्व

कार्यक्रम

संवाददाता ▷ पटना

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के निदेशक व सहायक आइएएस वैभव चौधरी ने कहा कि नयी शिक्षा नीति में उद्योगों के लिए आवश्यक कौशल विकास को महत्व दिया गया है. एनइपी कौशल विकसित कर रोजगार पर केंद्रित है. छात्र अपनी क्षमताओं का पता लगाएं और खुद में सुधार करें. आइआइटी पटना के उद्योग अकादमी शिखर सम्मेलन के दौरान 'निरंतर सीखने' और 'कौशल वृद्धि छात्रों की प्राथमिकता' विषय पर वो बोल रहे थे. विभिन्न उद्योगों के कई प्रतिष्ठित नेताओं और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने आइआइटी पटना में शनिवार को 'नयी शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा प्रणाली को फिर से परिभाषित करने' पर विचार साझा किये. परिसर में पौधारोपण भी किया गया.

स्टूडेंट जिस भी क्षेत्र में काम करें, उसमें अग्रणी बनें

आइआइटी में कार्यक्रम के दौरान अतिथि.

पीएनबी मेटलाइफ इंश्योरेंस के एमडी आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि छात्र जिस भी क्षेत्र में काम करें उसमें अग्रणी बनें. मिहिर मल्लिक ने इनोवेटेड सिस्टम प्रोसेस के बारे में बताया. उन्होंने 'अनोखा जुगाड़' का उल्लेख किया – एक ऐसा कार्यक्रम जो अद्वितीय समाधान के साथ आने वाले छात्रों को पुरस्कृत करता है. उन्होंने उद्योग, सरकार और इंटर्नशिप के तीन स्तंभों और इन कार्यक्रमों के बीच की खाई को पाटने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताया. अंत में, उन्होंने छात्रों के लिए कौशल विकास और इसके महत्व के बारे में बात की. सतीश कुमार सिंह ने मैनेजर और एचआर के बीच पार्टनरशिप के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि निरंतर सीखना और कौशल वृद्धि पर ध्यान देना छात्रों की प्राथमिकता होनी चाहिए. स्वयं को अपडेट रखें और जिस उद्योग में वे काम करना चाहते हैं, उससे संबंधित नये कौशल सीखते रहें. प्रौद्योगिकी में भारी विकास केवल निरंतर सीखने से ही किया जा सकता है.

डॉ प्रो रमाकांत अग्रवाल तकनीकी शिक्षा के लिए नवाचार और अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया. सुबीर वर्मा ने प्रतिभा अधिग्रहण रणनीति और पिछले कुछ वर्षों में यह कैसे नाटकीय रूप से बदल गया है, के बारे में बात की. एक दिवसीय उद्योग अकादमिक शिखर सम्मेलन का समापन आइआइटी पटना और अन्य कॉरपोरेट घरानों जैसे के बीच कुछ उपयोगी समझौता ज्ञापन के साथ हुआ तथा अंत में अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया. निदेशक प्रो टीएन सिंह ने अतिथियों को सम्मानित किया.

सौजन्य से प्रभात खबर | पटना | 19.06.2022 | पृष्ठ सं० 04

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	283
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	69
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	20
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,45,20,210
⇒ कम से कम एक डोस	7,10,14,935
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,09,62,802

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर

दक्षिण कोरिया

जापान

हॉग कॉग

यू.ए.ई.

सिंगापुर

बहरीन

न्यूजीलैंड

कनाडा

यू.एस.ए.

ऑस्ट्रेलिया

सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई

हैदराबाद

पुणे

चेन्नई

नागपुर

गुजरात

कोलकाता

वाराणसी

गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.